वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 201 रविवार 17 नवम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कल्चरल डायरीज श्रृंखला अंतर्गत दो दिवसीय सांस्कृतिक संध्या का दूसरा दिन

बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र के प्रसिद्ध लंगा-मांगणियार कलाकारों ने किया मंत्रमुग्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अभिनव पहल और निर्देशों पर राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उनको नियमित रूप से आजीविका का अवसर दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की पहल के रूप में ''कल्चरल डायरीज श्रृंखला'' शुरू की गई है जिससे राजस्थान की कला व संस्कृति से पूरी दुनिया परिचित होगी। इसी श्रृंखला में आयोजित पहली सांस्कृतिक संध्या के दूसरे दिन शनिवार को रामनिवास बाग स्थित गुलाबी शहर के हृदयस्थल अल्बर्ट पर जैसे-जैसे शाम ढलने लगी वैसे-वैसे पश्चिमी राजस्थान के विश्वप्रसिद्ध लंगा-मांगणियार कलाकारों का गायन-वादन श्रोताओं के सिर चढ़कर बोला।बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र के प्रसिद्ध लंगा-मांगणियार कलाकारों ने गायन-वादन की प्रस्तुतियों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। लोक गायकी के इन सुरीले हुनरबाज कलाकारों ने अपनी मधुर स्वर लहरियों से श्रोताओं मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन वादान के बेहतरीन संयोजन से श्रोतागण झूम उठे। वंस मोर... वंस मोर की ध्वनियां हर प्रस्तुति के बाद गूंजने लगी।दर्शकों की डिमांड पर प्रसिद्ध लोक गीत 'निम्बूड़ा' की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। पर्यटन विभाग की ओर से जयपुर फाउंडेशन के संयोजन में लंगा-मांगणियार कलाकारों ने एक से एक अद्भुत लय ताल के साथ कर्णप्रिय गीतों से कल्चरल डायरीज के पन्नों पर यादगार छाप छोड़ दी। इसमें ख्यातनाम लोक कलाकार देवू खान, बरकत खान, तालब खान, मुल्तान खान, हाकम खान, जावेद खान, रसूल, रोशन, लतीफ व जाकिर खान की टीम ने कमयाच - खड़ताल की धुन पर लोकगीतों का ऐसा समां बांधा कि श्रोता पूरे कार्यक्रम के दौरान मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे। जांगड़ा शैली में उन्होंने ढोलामारू, लूणाघाट, घोडलिया, केसरिया तिलकाणे, असपत री सुसवारी, पूरी अयोध्या राजा दशरथ घर, जीयो बणजारा आदि लोकगीत सुरीली आवाज और मधुर तान पर गाकर श्रोताओं का खूब मन मोहा। उनके कार्यक्रम में लगातार तालियों की गड़गड़ाहट होती रही। कार्यक्रम शुरूआत में 14 वर्षीय मांगणियार बाल कलाकार जावेद द्वारा कमायच वादन किया गया। केसरियों तिलकानों गीत की खमायची राग में प्रस्तुत दी गई।मांगणियार कलाकार हाकम खान ने ढोला मारु की प्रेम कथा आधारित मारु राग में गीत प्रस्तुत किया। मांगणियार कलाकार तालब खान द्वारा सोरठ राग आधारित घोड़ालिया गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। वरिष्ठ कलाकार बरकत खान और मुल्तान खान द्वारा बरसात के समय प्रीतम के घर आने का गीत लूणाघाट को बेहतरीन जुगलबंदी के साथ पेश किया गया। ख्यातनाम खड़ताल वादक देबू खान और युवा कलाकार जाकिर खान ने कर्णप्रिय खड़ताल वादन की जुगलबंदी से श्रोताओं में थिरकन स्फूरित कर दी। शानदार ताल संयोजन को सुन पूरी प्रस्तुति के दौरान करतल ध्वनि से श्रोता कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहें। धार्मिक और वीररस से ओतप्रोत गीतों का गायन करने वाले मांगणियार कलाकारों ने लोक भजन ₹राम चंद्र अवतार लियोः₹ की भक्तिमय प्रस्तुति दी। जिसके पश्चात नागौर के वीर अमरसिंह राठौड़ की वीरता की गाथा को कहने वाला गीत ₹अमर सिंह की कटारीः₹ की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में रोशन खान, रसूल खान के क मायच वादन के साथ लतीफ खान की ढोलक की संगत के संग जियो बंजारा, लखी बंजारा और हेलो साम्भलो सहित तीन गीतों मधुर गीतों की सुरीली प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के क्यूरेटर संदीप रतू रहे। इस श्रृंखला में अब कल्चरल डायरीज का अगला कार्यक्रम अगले पखवाड़े के शुक्रवार व शनिवार को होगा। कल्चरल डायरीज के इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में पुरातत्व निदेशक पंकज धरेंद्र, पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ पुनीता सिंह, विभाग के उपनिदेशक दलीप सिंह राठौड़, फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला, महासचिव तरुण बंसल, कई अधिकारी-कर्मचारी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवें दिन ज्ञान कल्याण महोत्सव मनाया गया

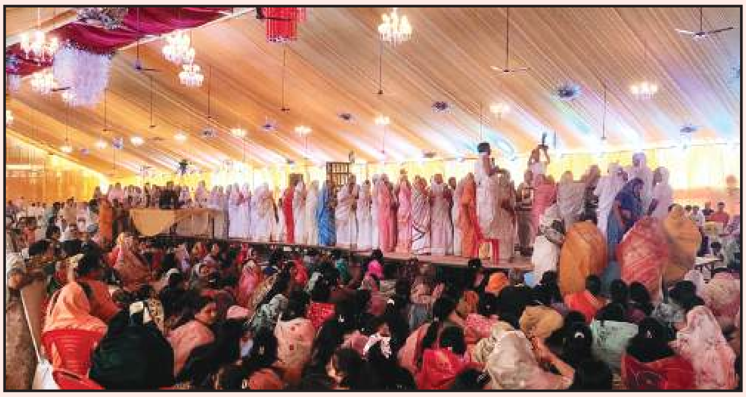

राजा श्रेयांस ने दिया आहार दान

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजक मुमुक्ष मण्डल जैन युवा फैडरेशन वितराग विज्ञान पाठशाला एवं मोक्षायतन ट्रस्ट द्वारा आदि जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के पांचवें दिन शनिवार को ज्ञान कल्याण महोत्सव भक्ति भाव, हर्ष, उत्साह के साथ मनाया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि शनिवार को प्रातः काल जाप, अनुष्ठान, अभिषेक, नित्य नियम पूजन व ज्ञान कल्याणक की पूजन, प्रतिष्ठाचार्य पंडित रजनीभाई दोषी हिम्मतनगर व मंच संचालन पं. संजय जेवर, पं.मनीष शास्त्री, पं.विराग शास्त्री व अन्य विद्वानों के सानिध्य में ज्ञान कल्याणक महोत्सव के तहत महा मुनि आदि सागर मुनिराज की आहार चर्या राजा श्रेयांस के परिवार ने नवदा भक्ति पूर्वक प्रथम आहार देने का सौभाग्य प्राप्त किया। उसके बाद सौधर्म इन्द्र और सभी इंद्रो व श्रावक-श्राविकाओ ने मुनी आदि सागर को आहार दान दिया। दोपहर बाद मंगलाष्टक, दिग बंधन, रक्षा मंत्र, शांति मंत्र,ज्ञान कल्याणक की आन्तरिक क्रियाएं की गई इसके अलावा श्रीजी की स्थापना, मंत्र आराधना, अधिवासना,तिलक दान,मुखोद्घाटन, प्राण प्रतिष्ठा, सुरिमन्त्र, सुर्य कला, चंद्रकला केवल ज्ञानोत्पति समवशरण रचना, मुनि द्वारा दिव्य देशना ज्ञान कल्याणक पूजन एवं जिन बिम्ब की स्थापना की गई ।

समवशरण की रचना

जब भगवान को तपस्या के पश्चात केवल ज्ञान प्रकट होता है तब समवशरण की रचना होती है, सौधर्म इंद्र की आज्ञा से धन कुबेर समवशरण की रचना करता है। वह धरती से 20,000 हाथ की ऊंचाई पर आकाश में अधर समवशरण की रचना बनती है समवशरण में 20,000 हजार सीढियां होती है जिन्हें प्रत्येक प्राणी अंतर मूहूर्त में चढ़कर समवशरण पहुंचते हैं और भगवान की दिव्य ध्वनि का पान करते हैं। समवशरण गोलाकार बनता है। रात्रि में जिनेन्द्र भक्ति के बाद हजारों के जन सेलाब में पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष सुधीर जैन, पूर्व अध्यक्ष अनिल चेलावत, डॉ विकास जैन, श्री भक्तामर विश्वधाम डोल्ला अध्यक्ष प्रकाश जैन दांता, मुकेश मासुम, प्रदीप जैन, पीयूष जैन आदि सभी सक्रिय युवा साथियों के द्वारा पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री विजय बड़जात्या इन्दौर का भावभीना अभिनन्दन, स्वागत करवाया गया एवं पंचकल्याणक समिति द्वारा पूरी टीम का हार्दिक आभार एवं बहुमान किया गया। पूरे पांडाल में हजारों की संख्या में जन सैलाब द्वारा अनुमोदना की गई। प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत भजन संध्या दिव्यांश जैन, देवेन्द्र जैन, राकेश प्रेमी के द्वारा भक्ति मय भजन सुनाये गये। इस पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आज आदि सागर मुनि को आहार दान परिवार गुलाब सेठ, सुभाष जैन, अशोक जैन, सुधीर जैन, सुभाष, सुनील जैन, मीना जैन सर्राफ सागर, पुष्पा बड़जात्या, बेला सोनी, डॉ.अल्पा डेडिया मुम्बई, हेमांगी टिंबडिया सोनगढ़, सोनल पुनातर जामनगर, नवीन भाई मेहता मुम्बई, विजय बड़जात्या, पद्म पहाड़ियां इन्दौर, राहुल गंगवाल जयपुर, तिलक चौधरी किशनगढ़, डॉ.बसन्ती बहन, डॉ.भरत जैन उज्जैन , निरंजन भाई, सुरेन्द्र नगर, मुन्ना भाई कोलकाता, आई एम.जैन ,बी.डी जैन, देवीलाल, मीनू भाई, अमित अरिहंत आदि लोगों ने आहार दान दिया।

प्रभात फेरी के साथ हुई श्री निम्बार्क जयंती महोत्सव की भव्य शुरूआत

श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में हुआ बधाई गान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री सर्वेश्वर संसद के बैनर तले निम्बार्क जयंती महोत्सव की शुरूआत शनिवार को चांदनी चैक स्थित श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर से निकली को प्रभातफेरी के साथ हुई। इस दौरान आसपास का क्षेत्र निम्बार्क भगवान के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महोत्सव के तहत रविवार, 17 नवम्बर को शोभायात्रा शाम 4.30 बजे श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। महोत्सव के तहत आज सुबह चांदनी चैक के श्रीआनंद कृष्ण बिहारी मंदिर से जयकारों के बीच प्रभातफेरी की शुरूआत हुई। श्री निम्बार्क मंडल के तत्वावधान में निकली यह प्रभातफेरी आनंद कृष्ण मंदिर से गोविन्द देव जी मंदिर, बड़ी चौपड़, गोपाल जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, होते हुए निम्बार्क भगवान के जयकारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई आनन्द कृष्ण बिहारी मंदिर आकर सम्पन्न हुई। प्रभात फेरी में निंबार्क रसिक जनों ने भक्ति रस की रसधार से रसिक जनों को भिगोया। इसके बाद श्री निम्बार्क निकुंज बिहारी मंदिर हीरापुरा पावर हाउस, जयपुर में ठाकुर जी का अभिषेक किया गया इसीदिन साम को श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में बधाई गान उत्सव हुआ,जिसमें कलाकारों के अलावा निम्बार्क भक्तजनों ने सुमधुर बधाई गान की प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। छह दिवसीय इस उत्सव गुरुवार को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, इस शोभा यात्रा में परम पूज्य जगतगुरु श्री श्रीजी महाराज स्वयं सम्मिलित होकर आशीर्वाद प्रदान करेंगे। शोभायात्रा में विशेष रूप से तैयार किए गए रथ में विराजमान श्री श्रीजी महाराज के साथ जयपुर, किशनगढ़, अजमेर, पुष्कर के असंख्य भक्त विशेष परिधान में कीर्तन करते चलेंगे। शोभायात्रा साम 4.30 बजे श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर से रवाना होकर जयपुर के मुख्य मार्ग त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए वापस श्री आनन्द कृष्ण बिहारी जी के मन्दिर पहुँच कर सम्पन्न होगी। तत्पश्चात पूज्य श्री श्रीजी महाराज का आशीर्वचन एवं चरण वन्दना का अवसर भी प्राप्त होगा। महोत्सव के तहत 18 नवम्बर को साम 5बजे समस्त वैष्णवजनों की ओर से श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में युगल शतक पाठ व महाआरती की जाएगी,वहीं 19 नवम्बर को साम 5बजे श्री निम्बार्क महिला मंडल की ओर से बधाई गान व डांडिया रास का आयोजन होगा। महोत्सव के तहत 20 नवम्बर को श्री निम्बार्क महिला मंडल व प्रसिद्ध गायक मंडल बधाई गायन और भजन संध्या के कार्यक्रम होंगे। महोत्सव के अंतिम दिन 21 को दोपहर 3बजे बधाई गान व साम 6बजे छठी महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर स्थानीय भजन मंडलिया भजनों से ठाकुर जी को रिझाएंगे।

महावीर के सिद्धांत से ही विश्व शांति संभव: आचार्य शशांक सागर

श्री सिद्ध चक्र विधान के बाद श्रीजी ने किया नगर भ्रमण

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरूण पथ मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में अष्टानिका के समापन पर नित्य अभिषेक एवं शांति धारा के साथ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्वलन विधान सुनील- सुनीता गोधा, भास्केंद्र इंद्र सतीश- मंजू कासलीवाल व पाद प्रक्षालन मंडल पुण्यार्जक निर्मल, भँवरी काला ने किया। सौधर्म इन्द्र सुनील-अनिता गंगवाल ने बताया आचार्य शशांक सागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि आज विश्व में अशांति का वातावरण बना हुआ है जगह जगह युद्ध होने का मुख्य कारण भगवान महावीर के सिद्धांत अहिंसा, त्याग, क्षमा का अभाव है।प्रतिष्ठाचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने बताया कि कोई भी विधान यज्ञ के बिना अपूर्ण माना जाता है ।इसलिए विश्व शांति के लिए हवन में सौधर्म इंद्र, कुबेर के साथ इंद्रो ने पूर्णाहुति दी ।इस अवसर पर समाज ने पुण्यार्जको को समाज रत्न से सम्मानित किया गया।ईशान इंद्र डॉ रोहित- आकांक्षा बेनाडा ने बताया श्रीजी का गाजे बाजे व जयकारों के साथ जुलुस के रूप में नगर भ्रमण हुआ।तत्पश्चात शोभायात्रा विधान पुण्यार्जक एवं सौधर्म इंद्र के निवास स्थान पहुंची जहां आचार्य श्री ने मंगल कलश की स्थापना की। इस अवसर पर एम पी जैन, सी एम जैन, पूरण मल अनोपड़ा, विमल काला, अशोक बाकलीवाल, बसंत बाकलीवाल, राजकुमार गंगवाल, राजेन्द्र सोनी, सुनील गोधा, महावीर बडजात्या, सतीश कासलीवाल, राजकुमार पाटनी, संतोष कासलीवाल, लोकेश सोगानी, जैनेन्द्र जैन, जे के जैन, विजय जैन आदि उपस्थित रहे ।

-सुनील जैन गंगवाल

सिद्धचक्र मंडल विधान का समापन, भव्य शोभायात्रा निकाली

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वधान में आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित सिद्धचक्र मंडल विधान का समापन शनिवार को हुआ। जैन समाज प्रवक्ता कवि मनोज निडर ने बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज ने आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान के समापन पर विशाल शोभायात्रा आयोजित की गई। जो नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई मांगलिक भवन स्थित आर्जव सागर सभागार में पहुंची। शोभायात्रा में सम्मिलित विभिन्न महिला मंडल अपनी अपनी निर्धारित वेशभूषा में नजर आई तो पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र में दिखाई दिए। शोभायात्रा में युवा वर्ग नाचते गाते हुए आर्जव सागर के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। सिद्ध चक्र महामंडल विधान में भाग लेने वाले इंद्र इंद्राणी 21 बग्गीयों में सवार होकर जयकारा लगाते हुए चल रहे थे। आचार्य आर्जव सागर महाराज ने ससंघ जुलूस में जाकर सभी भक्तों और इंद्र इंद्राणियों को भरपूर आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में श्री जी का अभिषेक व पूजन के बाद बड़े मंदिर में यथा स्थान विराजमान किया गया। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन, पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह एडवोकेट, बड़ा मंदिर के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह जैन, चातुर्मास समिति के अध्यक्ष जीवन जैन, वीरेंद्र, लोकेश, नीलेश द्वारा आचार्य आर्जव सागर की प्रवचन सभा में आये उपखंड अधिकारी दिनेश कुमार मीणा और पिड़ावा पुलिस उपअधीक्षक सुनील कुमार का स्वागत सम्मान किया गया। कटनी से आए पंडित शैलेंद्र जैन और स्थानीय पंडित राजकुमार जैन, संगीतकार हरीश गंधर्व, आशीष जैन का भी समाज जन द्वारा सम्मान किया गया। आचार्य आर्जव सागर ने अपने प्रवचन के दौरान चांदी के डबल मंजिला रथ निर्माण में आर्थिक सहयोग देने वाले सभी समाज जनों की दान भावना की प्रशंसा की और कहां की गुरु आज्ञा का पालन करने वालों के लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं होता और ना ही उनके जीवन में कठिनाइयां उन्हें आगे बढ़ने से रोक पाती है। कार्यक्रम का संचालन कवि मनोज निडर द्वारा किया गया।

वेद ज्ञान

भावनाओं का समुद्र

सनातन धर्म के ग्रंथों में भवसागर का वर्णन आता है। एक साधारण व्यक्ति इससे किसी समुद्र की कल्पना करता है जिसे उसे संसार त्यागने के बाद पार करना पड़ेगा, परंतु वास्तविकता में भवसागर से तात्पर्य है भावनाओं का समुद्र। भावनाएं विचारों में व्यक्त होती हैं और विचारों का स्थान मन है। मन को आधुनिक तकनीकी भाषा में एक मेमोरी कार्ड भी कहा जा सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि मनुष्य के द्वारा संसार से प्राप्त किए अनुभवों के द्वारा ही मन का निर्माण होता है। इसलिए जीव को मन के द्वारा निर्मित भावनाओं के समुद्र को इसी संसार में रहते ही पार करना होता है और इसी को भवसागर कहा जाता है। मन द्वारा निर्मित भवसागर में अनुभवों के अनुसार ही लहरें उठती हैं। जैसे यदि मन शांत है तो यह भी शांत होगा और यदि मन अशांत है तो इसमें भी ऊंची-ऊंची लहरें उठेंगी और भवसागर को पार करना उतना ही कठिन होगा। अक्सर मन के अशांत रहने का कारण उसके अंदर व्याप्त दोष रूपी-राग, द्वेष, ईर्ष्या और मोह आदि हैं, जिसके कारण वह अशांत रहता है। ज्यादातर व्यक्ति अपने दुख से उतना दुखी नहीं हैं, जितना दूसरों के सुख से दुखी हैं। व्यक्ति अपने अंदर स्थित दोषों को स्वीकार भी नहीं करता है और इस कारण वह मन की इन दोष रूपी व्याधियों का उपचार भी नहीं करता। इसी प्रकार वह जीवन यात्रा करता रहता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति के द्वारा अपनाई विचारधारा ही उसे उचित लगने लगती है और वह सोचने लगता है कि वही केवल सही है और बाकी सब गलत है। एक उम्र के बाद रोग असाध्य हो जाता है और इस प्रकार का व्यक्ति मनरूपी भवसागर में उठती तरंगों में डूबकर संसार छोड़ देता है और इस प्रकार उसके सूक्ष्म शरीर में आत्मा के साथ मन भी दूसरे जन्म में साथ चला जाता है। उपरोक्त बातों पर विचार करने के उपरांत क्या कोई इस प्रकार के व्याधिग्रस्त मन को साथ ले जाना चाहेगा, परंतु यह इच्छा पर निर्भर नहीं है यह तो ईश्वर का नियम है जिसे हर जीव मानने के लिए बाध्य है। मन को व्याधिमुक्त करने के लिए मन में सहजता, सरलता, सादगी और स्वीकार्यता रूपी उपचार अति आवश्यक है। जिसने मन को नियंत्रित कर लिया है, उसके लिए सारी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।

संपादकीय

सबको अवसर दिलाने का दावा

देश भर में फैले कोचिंग संस्थानों में पढ़ने के आकर्षण की मुख्य वजह यही है कि ऐसी लगभग सभी जगहों के बारे में किए गए प्रचार में यह जोर देकर बताया जाता है कि वहां पढ़ाई के बाद अच्छी नौकरियां सबको मिलेंगी। मगर हकीकत क्या है, यह सभी जानते हैं। ज्यादातर कोचिंग संस्थान अपने यहां पढ़ाई कर रहे सौ फीसद विद्यार्थियों को नौकरी दिलवाने का वादा करते हैं और इस तरह एक तरह का जाल फेंक कर बच्चों को उसमें उलझा लेते हैं। जबकि सभी जानते हैं कि कोचिंग संस्थानों में हर वर्ष कितने विद्यार्थी पढ़कर बाहर निकलते होंगे और नौकरी के लिए कितनी सीटें होती हैं। सीमित सरकारी नौकरियों के दौर में सबको अवसर दिलाने का दावा करना भ्रम फैलाने से कम नहीं है। इसे लेकर पिछले काफी समय से सवाल उठते रहे हैं। अब केंद्र सरकार ने बुधवार को कोचिंग संस्थानों की ओर से कई स्तरों पर भ्रामक प्रचार पर नकेल कसने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत अब ''सौ फीसद चयन'' या ''सौ फीसद नौकरी की गारंटी'' जैसे दावे करने पर रोक लगाई गई है। दरअसल, यह परंपरा-सी बन गई है कि अपने प्रचार के क्रम में कोचिंग संस्थान जो दावे करते हैं, उसके बारे में किसी तरह की पारदर्शिता का पालन वे नहीं करते। यह स्पष्ट करने की जरूरत उन्हें नहीं लगती कि सीमित अवसरों के दौर में वे सौ फीसद गारंटी का दावा किस आधार पर करते हैं और इसे वे कैसे मुहैया कराएंगे। उनके आंतरिक ढांचे में शिक्षण का प्रारूप, शिक्षकों और उनकी योग्यता का ब्योरा, संसाधन आदि के बारे में पारदर्शिता का निर्वाह उन्हें जरूरी नहीं लगता। मगर अपने संस्थान की ओर आकर्षित करने के लिए जारी विज्ञापनों में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने में कोई कमी नहीं की जाती। अब नए नियमों के मुताबिक, ऐसे संस्थानों को फीस, अपनी सेवाओं, उसकी गुणवत्ता, शिक्षकों की योग्यता और उनकी विश्वसनीयता आदि के बारे में स्पष्ट रूप से बताना होगा। ताजा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों पर दस से पचास लाख तक का जुर्माना लगाया जाएगा और लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि छोटे शहरों से बड़े शहरों में अगर बहुत सारे विद्यार्थी कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने पहुंचते हैं, तो इसके पीछे एक बड़ा कारण इन संस्थानों के भारी-भरकम दावे होते हैं। कई बार किसी बड़े महत्त्व की नौकरी में कामयाबी हासिल करने वाले अभ्यर्थी को कई संस्थान अपने यहां से पढ़ाई किया हुआ बता देते हैं। इन दावों के प्रभाव में आकर और मोटी फीस चुका कर वहां दाखिला लेकर पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगिता परीक्षा में चयनित होने का भरोसा दिया जाता और सौ फीसद सरकारी नौकरी की गारंटी दी जाती है। जबकि यह छिपा नहीं है कि देश भर के कोचिंग संस्थानों में हर वर्ष कितने विद्यार्थी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हैं और सरकारी नौकरियों की उपलब्धता कितनी है।

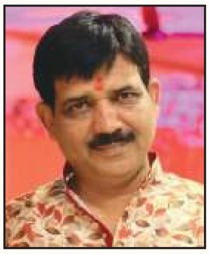

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जनजातीय गौरव दिवस

देश भर में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन सुखद और स्वागतयोग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर झारखंड की सीमा से लगे बिहार के जमुई जिले में एक सभा को संबोधित करने के साथ ही 6,000 करोड़ रुपये से अधिक की आदिवासी कल्याण परियोजनाओं की शुरूआत की है। बिरसा मुंडा को देश के एक बड़े क्षेत्र में भगवान की तरह माना जाता है। और उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला वाकई सराहनीय है। जिस देश में 700 से अधिक जनजातीय समूहों के दस करोड़ से ज्यादा लोग रहते हों, वहां ऐसे प्रेरक आयोजनों के महत्व को बखूबी समझा जा सकता है। कोई दोराय नहीं है कि जनजातीय समूहों ने अपने संरक्षण और सुरक्षा के लिए सतत संघर्ष किया है। देश की आजादी के समय उनके विकास की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी थी, पर विगत वर्षों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके विकास में आई तेजी को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। देश के विकास में इतनी बड़ी आबादी का पूरा योगदान लेने के लिए उसे और पुरजोर ढंग से मुख्यधारा में लाना समय की जरूरत है। बेशक, यह उम्मीद रखनी चाहिए कि 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट का सही उपयोग होगा। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में उचित ही रेखांकित किया है कि एक समय आदिवासी बहुल जिलों में अधिकारियों को बतौर सजा नियुक्ति दी जाती थी। इस रवैये में अब बदलाव आया है, सक्षम अधिकारियों को ऐसे जिलों में लगाया जा रहा है और इनको आकांक्षी जिले कहा जा रहा है। आदिवासी बहुल जिलों में वाकई तमाम बुनियादी योजनाओं को जमीन पर साकार करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने आदिवासियों के साथ होने वाली राजनीति को भी रेखांकित किया है, तो आश्चर्य नहीं। वास्तव में, आदिवासी इस देश की मुख्यधारा को ही मजबूत करते रहे हैं। देश के संसाधनों और संस्कृतियों को बचाने में उनका अनुपम योगदान है। पूर्वोत्तर के राज्यों में आदिवासियों की बेहतर स्थिति है, पर महाराष्ट्र, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बहुत काम की जरूरत है। गौर करने की बात है कि मध्य प्रदेश में देश के 14 प्रतिशत से ज्यादा और महाराष्ट्र में देश के 10 प्रतिशत से ज्यादा आदिवासी रहते हैं। ध्यान रहे, गुजरात जैसे अपेक्षाकृत विकसित राज्य में भी देश के आठ प्रतिशत से ज्यादा और ओडिशा जैसे अपेक्षाकृत पिछड़े राज्य में नौ प्रतिशत से ज्यादा आदिवासी रहते हैं। कुछ आदिवासियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति सुदृढ़ हो गई है, पर ज्यादातर आदिवासियों तक बुनियादी सुविधाओं को पूरी तरह से पहुंचाने का कार्य शेष है। भूलना नहीं चाहिए, जनजातीय विकास सरकार ही नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है, पर स्वयं इस समाज को पहले की तुलना में ज्यादा सजग रहना होगा। जनजातीय समाज से आने वाले जन प्रतिनिधियों की सर्वाधिक जिम्मेदारी है। पूर्वोत्तर में जनजातीय समाजों के बीच आक्रामकता चिंता जगाती है। संविधान सभा में भी यह चर्चा हुई थी और माना गया था कि जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार होगा, समाजों में समझदारी और सद्भाव की शक्ति बढ़ेगी। निस्संदेह, अनावश्यक राजनीति से भी बचना होगा। यह बहुत प्रेरक बात है कि देश के सर्वोच्च पद पर आज एक जनजातीय महिला द्रौपदी मुर्मु विराजमान हैं, यहां से जनजातीय समाज को पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए।

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का दल वियतनाम भ्रमण पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी जयपुर साउथ चैप्टर का एक 40 सदस्यीय दल वियतनाम के 10 दिवसीय भ्रमण पर इंजी. पी सी छाबड़ा के नेतृत्व एवं इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन व इंजी. सुबोध जैन के सह नेतृत्व में दिनांक 16 नवम्बर, 2024 को भट्टारक जी की नसिंया से रवाना हुआ। अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी समिति के कोषाध्यक्ष विवेक काला एवं संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार जैन ने झंडी दिखाकर बस को देहली एयरपोर्ट के लिए रवाना किया। रवाना होने से पूर्व दल ने भ्रमण की सफलता के लिए नसिंया जी में सामुहिक णमोकार मंत्र का जाप किया। चैप्टर अध्यक्ष इंजी. डी के जैन, सचिव इंजी. पी के जैन, इंजी. आर एल जैन एवं इंजी. मनोज जैन ने दल के सदस्यों को माला पहनाकर व दुपट्टा ओढ़ाकर अपनी शुभकामनाएं दी। वियतनाम प्रवास के दौरान दल हनोई, दा नांग, हो ची मिन्ह सिटी एवं आस पास के पर्यटन, धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेगा। भ्रमण दल में चैप्टर के इंजी. अरुण जैन, इंजी. राकेश बगड़ा, इंजी. बी पी जैन, इंजी. जी के बगडा, इंजी. सी आर गोधा, इंजी. दिनेश जैन, इंजी. विनोद शाह, इंजी. अखिल कुमार जैन सहित अन्य सदस्य सम्मिलित हैं। दल प्रवास के दौरान पर्यटन के साथ साथ भगवान महावीर के जीयो और जीने दो का संदेश भी जन जन में प्रसारित करेगा।

पुर्णिमा पर 48 रिद्धि मंत्रों से डडूका में हुई भक्तामर दीप महार्चना

अजीत कोठिया. शाबाश इंडिया

डडूका। दिगंबर जैन मंदिरजी डडूका में आचार्य मानतुंग रचित भक्तामर पाठ दीप महार्चना रात्रि मे सम्पन्न हुई। समाज प्रवक्ता राकेश शाह ने बताया की पुन्यार्जक भरत कुमार तोला चंद शाह परिवार सहित समस्त समाज जनों ने दीप प्रज्वलित किये और आरती, भक्ति व स्तुति की गयी इस अवसर पर समाज अध्यक्ष राजेश शाह, विजय चंद सेठ, मनोज शाह,रमनलाल शाह, अजीत कोठिया,राजमल शाह, अनिल कोठिया,राकेश शाह, राजेन्द्र कोठिया, दीपेश जैन, अशोक के शाह एवं प्रभावना महिला मंडल की बहने उपस्थित थे। इससे पूर्व प्रातः गर्भ ग्रह मे तीसरे तीर्थकर भगवान संभवनाथ स्वामी का जन्म कल्याणक मना उन्हें अर्घ्य समर्पित किए गए।

आहार जी में होगा तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल का शपथ समारोह

न्यायमूर्ति विमला जी के मुख्य आतिथ्य और जम्बूप्रसाद की अध्यक्षता में होगा कार्यक्रम

रत्नेश जैन रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

अहार जी। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल के संतोष कुमार जैन 'घड़ी' सागर को कार्याध्यक्ष के साथ ही बुन्देलखण्ड तीर्थक्षेत्र का प्रभारी तथा राजकुमार जैन घाटे को महामंत्री पद पर तथा पचास से अधिक पदाधिकारियों का 5 वर्षीय (2024 - 28) के लिए राष्ट्रीय कमेटी के परामर्श मार्गदर्शन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डी.के. जैन इंदौर के द्वारा विधिवत मनोनयन/ नियुक्ति कर कर दी गई थी, इस घोषित समस्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह बुन्देलखण्ड के सुविख्यात श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र आहार जी जिला टीकमगढ़ में 24 नवंबर 2024 रविवार को विविध कार्यक्रम के साथ आयोजित किया जा रहा है ।इस समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन भोपाल (अवकाश प्राप्त न्यायाधीश उच्च न्यायालय जबलपुर) रहेंगी और अध्यक्षता भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बूप्रसाद जी जैन गाजियाबाद करेंगे। मध्यांचल कमेटी के अध्यक्ष डी. के. जैन इंदौर तथा प्रचार प्रमुख राजेश जैन रागी बकस्वाहा ने विज्ञप्ति में बताया कि यह शपथ ग्रहण समारोह सुरेश जैन आईएएस भोपाल, अरविंद जैन जिला एवं सत्र न्यायाधीश छतरपुर, धर्णेन्द्र कुमार जैन आईएएस कलेक्टर उमरिया, अगम जैन आईपीएस पुलिस अधीक्षक छतरपुर, संतोष जैन पेंढारी राष्ट्रीय महामंत्री तीर्थक्षेत्र कमेटी, वीरेश सेठ राष्ट्रीय मंत्री, जवाहरलाल जैन अध्यक्ष उत्तरांचल, जिनेश झांझरी राष्ट्रीय चेयरमेन - उप समिति और संवर्धन, सुरेन्द्र जैन बाकलीवाल ,अनिल जैन जैनको चेयरमेन -नव निर्माण एवं जीर्णोद्धार कमेटी , श्रीमती चित्रा एस. के. जैन इण्डोरामा आदि के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रातः 6:30 बजे श्री शांतिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन , 8 से 9:00 बजे स्वल्पाहार एवं पंजीयन , 9 से 11:00 बजे शपथ ग्रहण समारोह, अपराह्न 11 से 1:00 बजे भोजन , 1 से 4:00 बजे मध्यांचल कमेटी की बैठक सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर मध्यांचल कमेटी के अध्यक्ष डी के जैन, कार्याध्यक्ष सन्तोष कुमार जैन घड़ी तथा महामंत्री राजकुमार जैन घाटे ने मध्यांचल कमेटी के सभी नवीन नियुक्त पदाधिकारियों व सदस्यों को उपस्थित रहने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि दिगम्बर जैन समाज के पौराणिक ऐतिहासिक धरोहर के अनुरूप आज से लगभग 122 वर्ष पूर्व 22 अक्टूबर 1902 को भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी का गठन हुआ था ।जिसमें हमारे संस्कार, संस्कृति, परम्परा की पहचान तीर्थक्षेत्र के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास रक्षा के लिए भारत देश के विभिन्न प्रांतो मे फैले दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्य योजना की सुरक्षा दृष्टि को देखते हुए अलग-अलग प्रांतों में मुख्य कमेटी के कार्य विभाजन का विस्तार किया गया , जिसमें ''मध्यांचल'' (मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ को मिलाकर)सहित आठ प्रांतीय अंचल कमेटियों का गठन हुआ जिसमें हर 5 साल में कार्य पद्धति अनुरूप नए अध्यक्ष व नई कार्यकारिणी का गठन होता है। यह कमेटी देश की सबसे बड़ी दिगम्बर जैन संस्था है।

-वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन रागी रत्नेश जैन बकस्वाहा

कवि हृदय विकर्ष शास्त्री "जिन भक्ति संवाहक" की मानक उपाधि से हुए अलंकृत

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य चार्य शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 शील सागर जी महाराज के जयपुर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर में चातुर्मास समापन के उपलक्ष में श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन अष्टानिका महापर्व के अंतर्गत की। यह अनुष्ठान कवि हृदय पंडित विकर्ष जी शास्त्री जी के कुशल मार्गदर्शन एवं विधानाचार्यत्व में संपन्न हुआ। कवि हृदय विकर्ष जी शास्त्री युवा विधानाचार्य, कुशल वक्ता, राष्ट्रीय कवि, के साथ-साथ मधुरकंठ के धनी है, आप बहुमुखी प्रतिभा संपन्न है। शास्त्री जी के कुशल ज्ञान, संगीत भक्ति की अद्भुत प्रतिभा से प्रभावित होकर द्वारा सकल जैन समाज समाज कीर्ति नगर जयपुर के द्वारा 'जिन भक्ति संवाहक' की मानक उपाधि से अलंकृत किया गया। और उज्जवल भविष्य की कामना करते पूज्य मुनि द्वय ने विशेष आशीर्वाद दिया। और संपूर्ण समाज ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

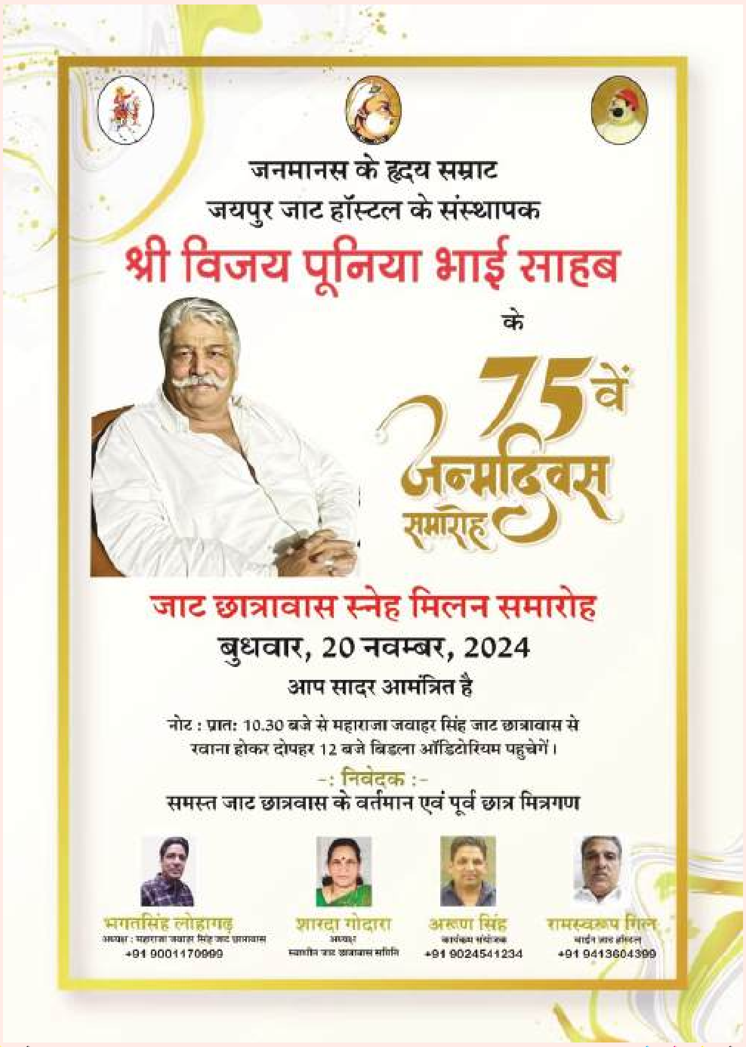

सरलता, विनम्रता, मधुरता के साथ उत्कृष्ट साहित्य शिल्पी थे: युवाचार्य मधुकर मुनि

एएमकेएम में युवाचार्य महेंद्र ऋषि की विदाई का हुआ आयोजन

चैन्नई. शाबाश इंडिया

कड़क मिश्री और मीठे मिश्री दोनों समकालीन थे। दोनों की बोन्डिंग जबरदस्त थी। उनमें आपसी सम्मान और सामंजस्य था। उन्होंने जिनशासन की जो अपूर्व सेवा की, वह हमेशा याद रखी जाएगी। उन्होंने संपूर्ण श्रमण संघ को आशीर्वाद से सींचा है। यह बात एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने मीठे मिश्री यानी श्रमण संघ के पहले युवाचार्य मिश्रीमलजी मधुकर की पुण्यतिथि पर गुणानुवाद के रूप में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा आज के इस दिन, जिस समय हम ऐसे श्रद्धेय को याद कर रहे हैं, जिनके लिए सबके मन में अहोभाव है। स्वभाव में मधुरता होने के कारण उनका उपनाम मधुकर था। मधुकर मुनि में सरलता,विनम्रता आदि गुणों के कारण मिठा मिश्री के नाम से भी जाने जाते थे। वे उत्कृष्ट साहित्य शिल्पी थे। उन्होंने मौन व्रत धारण कर संस्कृत, प्राकृत, व्याकरण, न्याय, दर्शन आदि का गहन अध्ययन किया। ऐसे मधुकर मुनि ने सभी आगमों का सटीक, बिना किसी पूर्व धारणाओं के सुंदर विश्लेषण किया। उनके ऊपर उमराव कंवरजी महाराज का वरदहस्त था। मधुकर मिश्रीमल जी ने संपूर्ण श्रमण संघ को आशीर्वाद प्रदान किया है, इसलिए हमारी आस्था में बदलाव नहीं आना चाहिए। उन्होंने चातुर्मास विदाई कार्यक्रम पर कहा कि हमारे अंदर सत्य के प्रति विश्वास होना चाहिए, जिससे आप निर्भिक होकर अपनी बात कह सकते हैं। सत्य को स्वीकारने वाले ही विजेता बनते हैं। जिसने जिनवाणी को हितकारी माना, उनके लिए यह वरदान से कम नहीं। उन्होंने कहा चातुर्मास आसान नहीं होता है। जहां प्रेम है, वहां शिकायत नहीं होगी। जहां शिकायत होगी, वहां प्रेम नहीं हो सकता। महासंघ ने बड़ी सुंदरता से चातुर्मास को सहज बनाया, चातुर्मास का सुंदर माहौल बनाया। आपने खूब सहयोग, प्रेम दिया, विशेषकर मातृशक्ति को साधुवाद है। जिन्होंने बच्चों को बाल संस्कार शिविर में नहीं भेजा, उन बच्चों को आपने ज्ञान से वंचित किया। आपको अपनी मानसिकता को बदलना होगा। उन्होंने कहा हमें जैन बनकर रहना है, परंपरा बनकर नहीं। आप सबने शासन की सेवा की है, जितना उत्साह, प्यार बांटा है, उससे कर्मनिर्जरा की है। इससे उत्कृष्ट पुण्य बंधता है। सामूहिक क्षमापना व अन्य कार्यक्रमों में कई महात्माओं से मिलन हुआ। महासंघ ने सबको साथ में जोड़ा है। हमारा जिनशासन जयवंत हो, ऐसी मंगलकामना करते हैं। जैन धर्म के सिद्धांत विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरते हैं। ऐसा हमारे जैन धर्म के विद्वानों से समझें, इसके लिए महासंघ ने कार्य किया। उन्होंने कहा चातुर्मास को यादगार बनाने के लिए पचक्खाण की मुहिम उत्तमचंद गोठी के सहयोग से छेड़ी और चेन्नई संघ के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आपकी श्रद्धा, भक्ति हमारे मन में है। यह हमारे लिए, संपूर्ण संघ के लिए आगे भी प्राप्त होती रहे। हमारे मन में जो आत्मीयता है, वह हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने कहा मिलने-बिछुड़ने का तो चलता रहेगा। कहीं न कहीं हम मिलते-जुलते रहेंगे। धर्म ही हमें ऊंचा उठाने वाला है। चातुर्मास का मुख्य उद्देश्य धर्म में आगे बढ़ना है। जो धर्म को अपनाता है, वह अपने भव भ्रमण कम करता है। धर्म की आस्था को मजबूत बनाए रखें। हमेशा याद रखें, परमात्व तत्व मुख्य है। इधर-उधर भागना नहीं है। उन्होंने कहा सोये हुए को जगाना आसान है लेकिन जगे हुए को जगाना अत्यंत कठिन है। हमारी ओर से आपको किसी भी प्रकार से ठेस पहुंची हैं, उसके लिए हम खमत- खामणा करते हैं। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने कहा कि गुणानुवाद के प्रसंग पर आप साल भर में मधुकर जी महाराज की बत्तीसी में एक आगम का स्वाध्याय करेंगे, ऐसा नियम आपको लेना है। महासंघ के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया और चातुर्मास को सफल बनाया।

रथावर्तन महोत्सव के माध्यम से इंदौर जैन समाज ने विश्व रिकॉर्ड बनाया

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। महानगर के इतिहास में प्रथम बार प्रमाणिक संत एवं शंका समाधान प्रवर्तक मुनि श्री प्रमाण सागर जी के सानिध्य में दिनांक 7 नवंबर से विजयनगर चौराहे पर निर्मित भव्य पंडाल में चल रहे संस्कृत भाषा में बीजाक्षर मंत्रों के साथ 108 मंडलीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान का समापन अवसर पर आज शुक्रवार को प्रातः 7:00 बजे से 108 स्वर्ण, रजत एवं काष्ठ निर्मित सुदर्शनीय रथों पर श्री जी विराजमान कर 2 किलोमीटर लंब भव्य शोभा यात्रा निकली। विजयनगर स्क्वायर से प्रारंभ शोभायात्रा एलआईजी चौराहा, पाटनीपुरा से आस्था टॉकीज के सामने से होते हुए 5 घंटे भ्रमण करने के बाद पुनः विधान स्थल विजयनगर चौराहा पर पहुंची जहां शोभा यात्रा का समापन हुआ। धर्म समाज प्रचारक

राजेश जैन दद्दू ने बताया कि शोभा यात्रा में सम्मिलित रथों में विधान पुण्यार्जक श्रीजी को रथ की वेदी में विराजमान कर सारथी बनकर बैठे शोभायात्रा में भजन मंडलीयां भजन गाते हुए, विभिन्न क्षेत्रों के लोक नृत्य कलाकार नृत्य प्रस्तुत करते हुए एवं संगीतकार, बैंड बाजे, और विभिन्न शहरों से आए दिव्य घोष सुमधुर धुन एवं संगीतमय श्वर लहरियां गुंजायमान करते हुए, भक्ति करते हुए हजारों की संख्या में समाजजन उपस्थित हुए शोभा यात्रा में मुनि संघ के साथ हजारों की संख्या में महिला, पुरुष, बच्चे, त्यागी वृति, ब्रह्मचारी भैया, बहने, सोशल ग्रुप, महिला मंडल, नगर में स्थापित जैन मंदिरों के पदाधिकारी गण एवं समाजजन भी पैदल चलते हुए शोभा यात्रा में शामिल हुए शोभा यात्रा में देश के भामाशाह और महादानी परिवार का गौरव अर्जित कर चुके आर के मार्बल ग्रुप के अशोक पाटनी परिवार भी स्वर्ण रथ में विराजमान थे। इंदौर नगर का विश्व प्रसिद्ध स्वर्ण रथ के सारथी बनने का इंदौर नगर के गौरव शाली कासलीवाल परिवार ने सोभाग्य प्राप्त किया शौभा यात्रा का जगह-जगह बने विभिन्न समाज संगठनों के स्वागत मंचों से स्वागत किया गया और परम पुज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी का पाद प्रक्षालन कर आरती की गई। इस ऐतिहासिक शोभा यात्रा को गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करने के लिए उनकी टीम भी निरिक्षण कर रही थी। इस अवसरपर मध्य प्रदेश शासन के मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, तुलसी सिलावट, पार्षद राजीव जैन ,समाज श्रेष्ठी अशोक पाटनी, आदित्य कासलीवाल, अमित कासलीवाल, अशोक डोसी, आनंद नवीन गोधा, भरत मोदी, मुकेश पाटोदी डॉ जैनेन्द्र जैन राजकुमार पाटौदी, सुशील पांड्या ,राजेंद्र सोनी, राकेश विनायका जेनेवा झांझरी मनोज बाकलीवाल आदि समाज जन सम्मिलित हुए।

महापुरुषों की महानता उसके नाम से नहीं, बल्कि उसके गुणों से होती है : साध्वी प्रितीसुधा

महापुरुषों की जयंती गुणगान के साथ मनाई

उदयपुर. शाबाश इंडिया

व्यक्ति की महानता उसके नाम से नहीं, बल्कि उसके गुणों और कर्मों से परखी जाती है। पंचायती नौहरा जैन स्थानक मे वीर लोकाशाह, जैनदिवाकर, उपाध्याय कस्तूरचंद जी एवं गुरुणी तेजकंवर जी आदि के जयंती समारोह मे गुणगान करते हुए प्रखर वक्ता डॉ.प्रितीसुधा ने कहा कि महापुरुषों के गुणगान करना वास्तव में एक सहज कार्य नहीं है, क्योंकि उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और विचारों की गहराई इतनी विशाल होती है कि उन्हें पूरी तरह समझना और व्यक्त करना कठिन हो जाता है। उनकी महानता न केवल उनके कार्यों में प्रकट होती है, बल्कि उनके चरित्र, त्याग और दृष्टिकोण में भी दिखाई देती है।महापुरुषों के गुणगान करते समय यह आवश्यक है कि उनकी विचारधारा को सही परिप्रेक्ष्य में रखा जाए और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का प्रयास किया जाए। केवल उनकी प्रशंसा करना पर्याप्त नहीं है; उनके मूल्यों और सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने पर जयंती मनाना सार्थक हो सकता है। साध्वी संयमसुधा ने महापुरुषों के गुणगान करते हैं, तो यह केवल शब्दों का प्रदर्शन नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके विचारों और कार्यों का सम्मान और उनके आदर्शों का अनुकरण होना चाहिए। इस दौरान पंचायती नोहरा श्रावक संघ के अध्यक्ष सुरेश नागौरी महामंत्री रोशनलाल जैन,दिनेश हिंगड़, गोपाल जैन, कांतिलाल जैन, मानसिंह रांका,अनिल पुनमिया, कालूलाल तातेड, अनिल जारोली,सुरेश मेहता एवं महिला मंडल की बहनों ने दीक्षार्थी बहन कोमल जैन सामूहिक रुप सम्मान किया गया । निलिष्का जैन बताया प्रखर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा आदि ठाणा 4 शनिवार को पंचायती नोहरा से विहार कर देवेंद्र धाम पधारेंगे।

ज्ञानतीर्थ पर ज्ञानसागर की स्मृति में हुआ गुणानुवाद सभा का आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। दिगंबराचार्य ज्ञानसागर जी महाराज की चतुर्थ समाधि दिवस पर ज्ञानतीर्थ जिनालय में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। उत्तर भारत के प्रथम दिगम्बराचार्य शांतिसागर जी महाराज छाणी परम्परा के आचार्य श्री सुमतिसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, षष्ठ पट्टाचार्य ज्ञानसागर महाराज की समाधि 15 नवंबर 2020 को अतिशय क्षेत्र बांरा (कोटा) राजस्थान में हुई थी। गुणानुवाद सभा में गुरुभक्तों ने बताया कि पूज्यगुरुमां गुरुदेव आचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज का जन्म मुरैना में हुआ था । आपने भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर आचार्य श्री सुमतिसागर जी महाराज से सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी में दीक्षा ग्रहण की थी और भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक के दिन समाधि पूर्वक इस नश्वर देह का त्याग कर मोक्ष मार्ग की ओर गमन किया था । पूज्य गुरुदेव आज शारीरिक रूप से भले ही हमारे बीच मौजूद नहीं हैं, किंतु उनके द्वारा दिए हुए सदउपदेश हमारे हृदय पटल पर सदैव अंकित रहेंगे। आचार्य श्री ज्ञानसागर जी की चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस पर श्री ज्ञानतीर्थ जैन मंदिर मुरैना में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम श्री जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा एवम पूजन किया गया। पूज्य गुरुदेव की अष्ट द्रव्य से पूजन की गई ।ज्ञानतीर्थ पर स्थापित पूज्य आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के चरणों का पाद प्रक्षालन किया गया। इस पावन अवसर पर अतिशय क्षेत्र टिकटोली के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, प्रेमचंद जैन, बड़ा जैन मंदिर कमेटी के पूर्व मंत्री धर्मेंद्र जैन, अनूप जैन, पूर्व अध्यक्ष महेश चंद बंगाली, महेश परीक्षा, सुनील जैन पुच्ची, सुनील जैन बीमा, राजकुमार राजू खड़िया, नितिन जैन नायक, आलेश योगेश जैन सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गणिनी आर्यिका विमल प्रभा माताजी का संघ सहित हुआ मंगल विहार समाज जनों ने दिए नम आंखों से विदाई

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमल प्रभा माता जी संघ सहित वर्षायोग उपरांत रामगंजमंडी नगर से मंगल विहार हुआ जैसे ही मंगल विहार हुआ समाज जन ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी पूज्य माताजी ने शांतिनाथ भगवान के दर्शन किए एवं समस्त जिनालय की परिक्रमा कर दर्शन किए। पूज्य माताजी संघ ने सभी को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया एवं समाज की ओर से संरक्षक अजीत सेठी अध्यक्ष दिलीप विनायका माता जी के समक्ष अपने उद्गार रखते हुए क्षमा याचना की। मांगलिक पलों में गुरु मां ने सभी को धर्म से जुड़कर रहने की सीख देते हुए रामगंजमंडी नगर के वर्षायोग की जमकर तारीफ और कहा कि चातुर्मास संस्कारों का बीजारोपण है। उन्होंने कहा गति भी चार होती हैं और चातुर्मास के महीने भी चार होते हैं यह चार माह आपके जीवन में संस्कारों का बीजारोपण करते हैं। हमेशा जीवन में धर्म की ज्योति जलाए रखना। पूज्य माताजी के सानिध्य में नगर में धर्म प्रभावना हुई जिसमें भक्तामर विधान, पार्श्वनाथ विधान एवं आचार्य विमल सागर महाराज की जयंती जैसे कई अलौकिक कार्यक्रम हुए साथ ही माताजी के सानिध्य में हुआ पिच्छिका परिवर्तन भी अलौकिक रहा। 10 लक्षण पर्व की बेला में भी समाज की प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से क्षुल्लिका 105 सुमैत्री श्री माताजी के निर्देशन में एवम श्रीमती प्रियंका विनायका एवम एवं शिप्रा विनायका के संयोजन समाज की प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिला। साथ ही माताजी की जन्म जयंती भी हर्षोल्लास से मनाई गई। मंगल विहार के दौरान जगह माताजी का पद प्रक्षालन कर मंगल आरती की गई। पूज्य गुरु मा संघ ने श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन नसिया के भी दर्शन किए। माताजी का रात्रि विश्राम संधारा में हुआ। एवं रविवार की बेला में भवानी मंडी में मंगल आगमन होगा।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

जयपुर के श्रेष्ठियों का समडोली में हुआ सम्मान

जनकपुरी के पदम जैन बिलाला, कमलेश पाटनी, सुनील सेठी को मिला मुनिश्री विद्यासागर जी का आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। चारित्र चक्रवृत्ति आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी की ,आचार्य पदारोहण स्थली समडोली नासिक में मुनि श्री धर्म सागरजी , मुनि श्री विद्या सागर जी ,मुनि श्री अनेकान्त सागर जी ससंघ (नो पिच्छी) के चल रहे चातुर्मास के दौरान हुए सिद्ध चक्र विधान मंडल के अंतिम दिन शनिवार को समाज गौरव पदम जैन बिलाला , मुनि भक्त कमलेश पाटनी , सेवा भावी सुनील सेठी का समडोली जैन समाज के अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने सम्मान किया । मुनि श्री विद्यासागर ने जनकपूरी जैन समाज के श्रेष्ठियों को साधु सन्तों की ऐसे ही सेवा करते रहने हेतु मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर जनकपुरी जयपुर से पुष्पा बिलाला एवं अलका सेठी की भी उपस्थिति रही।

कलाकुंज जैन मंदिर में आयोजन

विश्व शांति महायज्ञ के साथ संपन्न हुआ नौ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

कलाकुंज मंदिर समिति के तत्वावधान में अष्टानिका पर्व के अवसर पर श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। मारुति स्टेट स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कलाकुंज में 8 नवंबर से आयोजित हो रहे नौ दिवसीय विधान का समापन 16 नवंबर को बड़े ही भक्तिभाव के साथ हुआ। जिसमें भक्तों ने विधान के अंतिम दिन प्रातः7:00 बजे मंदिर परिसर से श्रीजी की प्रतिमा को पालकी पर विराजमान कर ढोल नगाड़े के साथ शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा के मंदिर पहुंचकर सौभाग्यशाली भक्तों ने पंडित श्री सौरभ जैन शास्त्री के मुखारविंद से उच्चारित मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा की। सभी इन्द्र- इन्द्राणियों ने पंडित सौरभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में श्रीजी का पूजन कियोतत्पश्चात सभी इन्द्र- इन्द्राणियों ने विश्व शांति के लिए महायज्ञ में आहुतियां देते हुए विश्व शांति की कामना कर विधान का समापन किया।विधान में मौजूद भक्तों ने हाथों में चंबर लेकर संगीतकार विशाल जैन के मधुर भजनों पर प्रभु की भक्ति का आनंद लियोइस दौरान नौ दिवसीय विधान का मुख्य कलश लेने का सौभाग्य कैलाशचंद जैन परिवार एवं जाप कलश लेने का सौभाग्य शोमा देवी जैन एवं ऋषि कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुआेइस अवसर पर कलाकुंज मंदिर समिति ने संगीतकार एव विधानाचार्यजी का माला पहनकर एवं तिलक लगाकर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर रविंद्र जैन, मुकेश जैन भगत, आदित्य जैन,प्रवीन जैन, डॉ राजीव जैन,विवेक जैन,विकास जैन, संयम जैन,दीपक जैन, दिव्यांशु जैन, अजय जैन मास्टर, कृष्ण जैन,अनिल कुमार जैन, सौरभ जैन,शुभम जैन,हेमलता जैन, मीना जैन, ममता जैन, रविवाला जैन,रश्मि जैन,करुणा जैन सहित समस्त कलाकुंज जैन समाज के लोग मौजूद रहे।

-रिपोर्ट शुभम जैन

धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट ने किया जयपुर कल्चर एंड स्पिरिचुअल फेस्टिवल का पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सत्य सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) की ओर से आयोजित होने वाले ''जयपुर कल्चर एंड स्पिरिचुअल फेस्टिवल'' का भव्य पोस्टर विमोचन तुलसी पीठाधीश्वर, जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने किया। यह महोत्सव 22 और 23 मार्च, 2025 शनिवार, रविवार को जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति, सत्य सनातन धर्म की महिमा और उसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। इस उत्सव के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता के गहन संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन के अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर जैन, महासचिव गब्बर कटारा, सचिव जे.के. जैन, सी ई ओ एम. एल. सोनी और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारी पंकज ओझा, मारुति कास्टिंग के चेयरमैन राजन शर्मा, अनिल संत और एडवोकेट जितेंद मित्रुका की भी विशिष्ट मौजूदगी रही, जिन्होंने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए अपने विचार साझा किए और शुभकामनाएं दीं। **कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य** : यह फेस्टिवल भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और आध्यात्मिक मूल्यों को युवा पीढ़ी और समाज के अन्य वर्गों से जोड़ने का प्रयास करेगा। साथ ही, समाज में आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए विशेष सत्र और प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम से जुड़े सभी पदाधिकारियों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों से सहयोग और सहभागिता की अपील की है।

महासती मनोहर कंवर का भव्य झूलस के साथ अहिंसा भवन से जमुना नगर हुआ विहार

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शास्त्रीनगर स्थित अहिंसा भवन में चातुमार्सार्थ विराजित महासाध्वी मनोहरकंवरजी साध्वी.ज्ञानकंवर आदि ठाणा-6 ने आज भव्य झूलस के साथ अहिंसा भवन से अपना प्रथम विहार जमुना विहार किया। विहार से पूर्व साध्वी वृंद से अहिंसा भवन के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना , मीठ्ठालाल सिंघवी,संरक्षक हेमंत आंचलिया, अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, मंत्री दिनेश मेहता, अमर सिंह संचेती, हिम्मत बापना, कुशल बुलिया, सुगन सिंह आंचलिया, जितेश चपलोत , नीरज पोखरना,रिखब पीपाडा, शांति लाल कांकरिया, हुक्मी चन्द खटोड़,महिला अध्यक्ष नीता बाबेल , संरक्षिका मंजू पोखरना , मंजू बापना , उमा आंचलिया, कांता छाजेड ,मंत्री रजनी सिंघवी, अनु बापना , लाड़ पीपाडा, निशा बापना, कोमल सालेचा , रश्मि लोढ़ा , सरोज मेहता,आशा रांका, पुष्पा गोखरू, लाड़ मेहता, विपुला जैन , कमला बापना, कविता नाहर, इंद्रा बापना, स्नेहलता चौधरी,सुनीता बोर्डिया , किरण चोरड़िया, तरुणा मेहता , परी जैन ,मीनाक्षी जैन , ममता रांका आदि सैकड़ों श्रावक व श्राविकाए चातुर्मास जाने अंजाने परोक्ष अपरोक्ष रूप हुई भूलो केलिए सामूहिक रुप के साथ सभी नमम आंखो से साध्वी वंदन क्षमायाचना की ओर चातुर्मास की शुभकामनाएं दी। प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया चातुर्मास के प्रथम विहार मे श्रद्धालुओं ने मंगल करणी जय यश गुरुणी, जब तक सूरज-चांद रहेगा, मनोहरकंवरजी का नाम रहेगा और महावीर का दिव्य संदेश झ जियो और जीने दो जैसे नारों के उदघोष के साथ श्रध्दालुओं ने साध्वी वंद के साथ सहभागिता के विहार मे उपस्थित दर्ज करवाई। रविवार को 7.30 बजें साध्वी मंडल चन्द्रशेखर नगर के रूप रजत में पधारेगे ।

रक्तदान शिविर में 78 यूनिट रक्त एकत्र किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

शनिवार दिनाक 16 नवंबर को स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक एवम रक्तदान परिसंघ के सहयोग से एफ 184, सी स्कीम मे रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर संयोजक सुरेश जैन एवम अलका जैन की वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर यह शिविर आयोजित किया गया। परिसंघ के सचिव संजय खवाड़ ने बताया कि इस शिविर में 78 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

एसकेआईटी में मानव मूल्य और नैतिकता की खोज पर कार्यशाला

जयपुर. शाबाश इंडिया

एसकेआईटी के सार्वभौमिक मानव मूल्य समिति द्वारा आयोजित एक सप्ताह लंबी कार्यशाला मानव मूल्य और 'नैतिकता की खोज' का उद्घाटन आज हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को मानवता और नैतिकता के महत्व से अवगत कराना था, ताकि वे अपने जीवन में इन्हें अपनाकर एक सकारात्मक बदलाव ला सकें। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थान राज्य संसाधन समूह के ट्रेनर और मोटिवेटर, डॉ. रघुनंदन शर्मा ने भाग लिया। डॉ. शर्मा ने छात्रों को बताया कि कैसे सार्वभौमिक मानव मूल्य जीवन के हर पहलु को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने हमारे महान नेताओं और इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़े कई प्रेरक किस्सों के माध्यम से यह समझाया कि मानव मूल्यों के आधार पर जीवन में सफलता और संतुलन कैसे प्राप्त किया जा सकता है। कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम में प्रोफेसर बीएल शर्मा ने किया, जिन्होंने डॉ. रघुनंदन शर्मा का स्वागत किया और उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. निधि शर्मा, यू एच वी समिति की संयोजक ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यशालाएं छात्रों के जीवन में गहरे बदलाव ला सकती हैं और उन्हें नैतिकता के प्रति जागरूक कर सकती हैं। कार्यशाला का समापन छात्र समन्वयकों देव टांक और परीनीता शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने इस कार्यशाला को प्रस्तुत और समन्वयित किया। इसके अलावा डॉ. स्वाती अरोड़ा और डॉ. अमित झलानी ने इस कार्यशाला के आयोजन में सहयोग दिया। डॉ. निधि शर्मा, कार्यशाला की संयोजक, ने अंत में सभी वक्ताओं और सहभागी छात्रों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह कार्यशाला छात्रों के जीवन में बदलाव लाने में सहायक होगी। इस कार्यशाला में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और यह निश्चित रूप से उनके व्यक्तित्व और नैतिक दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्रों ने इसका जमकर सराहना की और भविष्य में इसी तरह के और कार्यक्रमों की मांग की।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से

कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा से, कृत निश्चय उत्तिष्ठ सफलता के लिए पहले मन का निश्चय करें..!

शाबाश इंडिया। किसी भी कार्य की सफलता के लिए संकल्प की सिद्धि होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। शारीरिक शक्ति से ज्यादा, मनःस्थिति को तैयार करना बहुत जरूरी है। शरीर बल कम हो काम चल जायेगा लेकिन आत्म बल या मनोबल कमजोर हो तो दस पापड़ भी नहीं तोड़ पायेंगे। जीवन की सफलता सत्संकल्प पर निर्भर करती है। यदि आपको खुद की क्षमताओं पर यकीन नहीं है, तो दूसरे कैसे करेंगे-? हर सफलता के लिये सावधान होना बहुत जरूरी है। सावधान होना है अपने आलस प्रमाद से, दूसरों के कटाक्षों से, उपेक्षाओं से, ये सब होगा, निमित्त भी मिलेंगे। परन्तु मन को इन सबसे प्रभावित नहीं होने देना। अन्यथा आपके अपने ही लोग तो यही चाहते हैं कि तुम जैसे हो वैसे ही रहो। इसलिए आप जो भी कार्य करें, वो जी जान से करें क्योंकि आज का युग शत प्रतिशत परिणाम देने का युग है। अब तो 95-99 का आंकड़ा भी बेकार हो गया है। बात 100 पर भी पूरी नहीं होती। अब सफलताओं के मीठे फल उन्हीं को चखने मिलेंगे जो 100 को भी लांघेंगे। शत प्रतिशत सफलता के लिये - तप, त्याग शिक्षा, परिश्रम, इमानदारी, समर्पण, तन्मयता का योग भी जोड़ना होगा। इसलिए जो अपने संकल्प और समर्पण के साथ लगातार मेहनत करते हैं, वे अपने कल को बेहतरीन तरीके से बदल लेते हैं...!! नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

बाबा श्याम की विशाल भजन संध्या का हुआ आयोजन

श्री श्याम परिवार सेवा समिति नावां के तत्वाधान व जोशी परिवार के सौजन्य से हुआ भव्य कार्यक्रम आयोजित

शाबाश इंडिया

नावां सिटी उपखंड मुख्यालय पर शुक्रवार को श्री श्याम परिवार सेवा समिति नावां के तत्वाधान और रतनलाल सुरेशकुमार आनंद कुमार जोशी परिवार के सौजन्य से शहर के मैन मार्केट स्थित आलम सेठ बालाजी मंदिर में बाबा श्याम की विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान बाबा का भव्य

दरबार कैलाश गौड ,प्रमोद अग्रवाल , श्यामसुंदर माटोलिया,मुकेश अग्रवाल द्वारा सजाया गया। भजन संध्या में स्थानीय व मेहमान कलाकारों द्वारा भजनों की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई । सांय 7:15 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत रूप से भजन संध्या का शुभारंभ हुआ जिसमें गौतम खंडेलवाल ने गणेश वंदना के साथ भजन संध्या की शुरूआत की । इसके पश्चात नरेंद्र अजमेरा ,मुरली पाराशर ,ललित चावड़ा, हितेश सोनी ,तुषार गौड,राधेश्याम स्वामी ने भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजन संध्या के दौरान बाबा की पावन जोत के साथ इत्र वर्षा व पुष्प वर्षा के द्वारा पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया।इस दौरान बाबा श्याम के छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया जिसे आरती बाद भक्तों में वितरित कर दिया गया । इस दौरान जोशी परिवार नावां के साथ साथ आसपास के क्षेत्र और नगर के अनेकों गणमान्य नागरिक व श्याम परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

मीरामार्ग पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

मोक्ष कल्याणक के साथ आज रविवार को होगा मीरामार्ग पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन

रविवार को जयपुर में पहली बार होगा बच्चों का उपनयन संस्कार। रविवार को नवीन वेदियों में विराजेंगे। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 32 जिन बिम्ब मुनि संघ का होगा पिच्छिका परिवर्तन

फोटोः कुमकुम फोटो साकेत, 9829054966

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर के गौखले मार्ग स्थित सेक्टर 9 के सामुदायिक केन्द्र पर संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मानसरोवर मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में नवनिर्मित जिनबिम्बों का श्रीमद् जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के चौथे दिन शनिवार को ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं सम्पन्न हुई। ज्ञान कल्याणक की क्रियाओं को देखने के लिए समूचा जैन समाज उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वही रविवार को मोक्ष कल्याणक के साथ पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन होगा इस मौके पर जयपुर में पहली बार जैन बच्चों का उपनयन संस्कार किया जाएगा। साथ ही दोपहर में मुनि संघ का पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शनिवार को महामहोत्सव के अन्तर्गत पं. धीरज शास्त्री के निर्देशन में अभिषेक, शांतिधारा के बाद सौधर्म इन्द्र बने महेश - अनिला बाकलीवाल सहित भगवान के माता-पिता पदम कुमार - शशि जैन, कुबेर इन्द्र सुभाष - मीना अजमेरा एवं महायज्ञनायक

सुशील-निर्मला पहाड़िया के नेतृत्व में पूजा की गई। यज्ञ के बाद प्रातः 8:30 बजे क्षुल्लक अनुनय सागर, सविनय सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए। प्रातः 9:00 बजे महामुनि की प्रथम आहारचर्या हुई । सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महामुनिराज पारसनाथ को आहार दिया। आहारचर्या के इस नयनाभिराम दृश्य को देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। दोपहर 1:00 बजे से ज्ञान कल्याणक की क्रियाओं के बाद प्रतिष्ठित होने वाली 44 प्रतिमाओं में मुनि प्रणम्य सागर महाराज सूर्य मंत्र देकर प्रतिष्ठित किया। तत्पश्चात समवशरण की रचना की गई। समवशरण में गणधर रूप में विराजमान मुनि प्रणम्य सागर महाराज की देशना और पूजन

हुई। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने देशना देते हुए कहा कि जब भगवान का समवशरण लगता है तो चारों ओर शांति छा जाती है। इस समवशरण में तीन गति के जीव दिव्य देशना सुनने आते हैं। भगवान को केवल ज्ञान प्राप्त होते ही तीन लोको में हलचल मच जाती है। देवलोक में घंटे बजने लग जाते हैं। इन्द्रगण अनेक देवों के साथ भगवान के केवल ज्ञान की पूजा करने के लिए निकल पड़ते हैं। गणधर के रूप में समवशरण में विराजमान मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की महिमा पर विस्तार से बताया। इस मौके पर मुनि श्री ने इन्द्रों एवं श्रद्धालुओं द्वारा पूछी गई की जिज्ञासाओं का समाधान किया। सायंकाल 6:00 बजे से आचार्य भक्ति के बाद श्री जी की एवं मुनि श्री की भव्य आरती की गई। तत्पश्चाप शास्त्र सभा का आयोजन हुआ। अंत में नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिन्हें देख श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी के मुताबिक महामहोत्सव में रविवार, 17 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक की क्रियाएं होगी। प्रातः 6:30 बजे अभिषेक, शांतिधारा, पूजा के बाद सम्मेद शिखर पर्वत पर भगवान के अंतिम दर्शन होंगे। प्रातः 7.03 बजे भगवान का मोक्षगमन दिखाया जाएगा। निर्वाण कल्याणक की पूजन और विश्व शांति महायज्ञ होगा। सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि प्रातः 8:00 बजे जयपुर में पहली बार जैन बच्चों का उपनयन संस्कार कार्यक्रम होगा। जिसमें बच्चे सफेद कुर्ता - धोती या सफेद कुर्ता - पायजामा पहनकर शामिल होंगे। प्रातः 9:00 बजे मुनि श्री के मंगल प्रवचन के बाद विशाल शोभायात्रा सामुदायिक केंद्र से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई मीरामार्ग के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचेगी जहां पर पंचकल्याणक महामहोत्सव में प्रतिष्ठित 32 जिन बिम्बों को जयकारों के बीच नवीन वेदियों में विराजमान किया जाएगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक गौखले मार्ग के सामुदायिक केन्द्र पर दोपहर 1:00 बजे से मुनिश्री का पिच्छिका परिवर्तन समारोह होगा। इस दौरान विभिन्न सहयोगियों का सम्मान एवं आभार व्यक्त किया जाएगा। इस तरह से पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का रविवार को धूमधाम से समापन हो जाएगा।

-विनोद जैन कोटखावदा